मेरे लिए

नामवर जी

रामबक्ष जाट

मेरे लिए नामवर जी

प्रो. रामबक्ष जाट

प्रकाशक: नॉटनल

प्रकाशन: जनवरी, 2025

© प्रो. रामबक्ष जाट

गुरुवर प्रो मैनेजर पांडेय और

प्रो चंद्रा सदायत को

अनुक्रम

भूमिका 5

मैनेजर पाण्डेय 13

गंगा प्रसाद विमल 26

श्याम डी. कपूर 31

लक्ष्मण सिंह राठौड़ 34

केदारनाथ सिंह 37

निर्मला जैन 44

विश्वनाथ त्रिपाठी 53

तुलसीराम 59

छात्र मंडली 71

रीता दुबे 77

कल्पना सिंह राठौड़ 81

स्तुति राय 84

कविता उपाध्याय 88

फूलवन्ती चौधरी 92

शशि प्रकाश चौधरी 96

संजय कुमार 101

सपन सारण 118

अशोक माहेश्वरी 122

प्रो. आनन्द कुमार 126

काशीनाथ सिंह 136

नामवर सिंह 145

परिशिष्ट-1: मन के शिक्षक 163

डॉ. रामबक्ष

परिशिष्ट-2: डॉ. नामवर सिंह 191

डॉ. रामबक्ष

परिशिष्ट-3: नामवर जी के बारे में कुछ बेतरतीब बातें 277

प्रो. रामबक्ष

भूमिका

मेरे लिए तो नामवर जी मेरे शिक्षक हैं- सर्वोत्तम शिक्षक। हिन्दी के बहुत से लोगों के लिए वे शिक्षक हैं-आदरणीय शिक्षक। लेकिन वे सिर्फ हिन्दी साहित्य के शिक्षक मात्र नहीं है। उनके कई रूप है। उनके सब रूपों से सबका परिचय नहीं है। वे सीधे-साधे, सरल-भले मनुष्य नहीं है। उन्हें आसानी से ठगा या परास्त नहीं किया जा सकता। वे पर्याप्त चौकन्ने व्यक्ति थे। वे लोगों को नौकरी देने में सक्षम थे। वे लेखकों को पुरस्कृत करवा सकते थे। उनकी पुस्तकें किसी बड़े प्रकाशक से छपवा सकते थे। उसकी पुस्तकों को पुस्तकालयों में बिकवा सकते थे। वे भारत के या विदेश के किसी भी पढ़े-लिखे व्यक्ति के साथ बैठ सकते थे। उससे संवाद कर सकते थे। देश-दुनिया के बारे में, दुनिया के साहित्य के बारे में उनकी जानकारी और समझ किसी से कम नहीं थी। भारत के कई प्रधानमंत्रियों के साथ चाय पीने वालों में उनका नाम सबसे ऊपर आता है। चन्द्रशेखर और विश्वनाथ प्रताप सिंह के साथ उनके आत्मीय संबंध थे। अटल बिहारी वाजपेयी से वे एक डेलीगेशन के साथ मिलने गए थे। यहाँ तक कि एक बार वे वर्तमान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ भी मंच पर देखे गए थे। किसी पुस्तक पर चर्चा हो रही थी। नामवर थी मंच पर बैठे हुए थे। थोड़ी देर बाद प्रधानमंत्री आए। नामवर जी टस से मस नहीं हुए। उन्होंने देखा भी नहीं। मंच की परंपरा है कि वहाँ आने वाले लोग एक-